आरक्षक को पीट कर छीन लिया मोबाइल और वायरलेस सेट

बदमाश बेखौफ

शहडोल, देशबन्धु। शहडोल जिले में बदमाशों ने एक पुलिसकर्मी के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। इतना ही नहीं इन बदमाशों ने पुलिसकर्मी से उसका मोबाइल फोन और वायरलेस सेट भी लूट लिया। घटना को अंजाम देने के बाद यह सभी बदमाश मौके से फरार हो गए। घटना जिले के अमलाई थाना क्षेत्र के बटुरा ग्राम की है, जो शहडोल और अनूपपुर जिले की सीमा पर स्थित है।

अमलाई थाना प्रभारी जय प्रकाश शर्मा ने बताया कि अनूपपुर यातायात थाने में पदस्थ आरक्षक सुखसेन कोल अपने दुपहिया वाहन से बुधवार को शहडोल जिले के बकहो आ रहे थे। तभी शाम लगभग 7 बजे बटुरा ग्राम के पास वहां उनका कुछ युवकों से मामूली सा विवाद हो गया। इसके बाद वहां मौजूद युवकों ने आरक्षक के साथ जमकर मारपीट कर दी और आरक्षक के पास से उसका मोबाइल फोन और वायरलेस सेट लूट कर मौके से फरार हो गए।

थाना प्रभारी श्री शर्मा ने बताया कि आरोपियों की पहचान राजू संगरिया, दीपक वासुदेव और सूरज रोशन सभी निवासी बटुरा ग्राम के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और घायल आरक्षक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी मिलते ही आईजी पुलिस शहडोल अनुराग शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहडोल अभिषेक दीवान और अनूपपुर पुलिस अधीक्षक मोतिउर रहमान भी रात में ही घटना स्थल पर पहुंच गए और मौके का मुआयना किया।

वही इस घटना के संबंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहडोल अभिषेक दीवान ने बताया कि बुधवार की रात अनूपपुर यातायात थाने में पदस्थ आरक्षक के साथ मारपीट की घटना हुई है। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है और सभी के खिलाफ लूट और मारपीट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने यह भी बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है।

जमीनी विवाद को लेकर युवक को पीटा, शिकायत करने जब थाने पहुंचा तो पुलिसकर्मियों ने भी जमकर पीटा

शहडोल, देशबन्धु। जमीनी बात को लेकर युवक के साथ मारपीट हुई है। घटना के बाद युवक जब थाने पहुंचा तो वहां मौजूद पुलिसकर्मी ने भी उसके साथ गाली गलौज कर मारपीट की, ऐसा युवक का आरोप है। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें मामूली विवाद दिखाई दे रहा है, जिसमें लाठी डंडे लेकर दोनों पक्ष आपस में लड़ रहे हैं। मामला जैतपुर थाना क्षेत्र का है।

बताया गया कि ग्राम भाटिया निवासी पूरन साकेत अपने घर जा रहा था, तभी खोडरी तिराहे के पास गांव के कुछ लोगों ने उसे रास्ते में रोक लिया और गाली गलौज कर मारपीट करने लगे। तभी युवक ने अपने बचाव में सड़क किनारे पड़ी एक लाठी उठा ली और अपना बचाव करने लगा तभी मारपीट करने वाले युवक की मां मौके पर आई और बीच बचाव करने लगी। जिसके बाद भी पूरन साकेत के साथ मारपीट की गई, ऐसा युवक का कहना है। युवक ने आरोप लगाते हुए बताया कि मारपीट की इस घटना की जानकारी देने जब वह थाने पहुंचा तो थाने में मौजूद प्रधान आर हरपाल सिंह ने उसके साथ गाली गलौज कर युवक का बाल पकड़ कर मारपीट की है। हालांकि थाना प्रभारी का कहना है कि शिकायत मारपीट की आई है, युवक को एमएलसी कराने अस्पताल भिजवाया था जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। जैतपुर थाना प्रभारी राम कुमार गायकवाड़ ने बताया कि युवक के साथ जमीनी बात को लेकर मारपीट की घटना हुई है। जिसकी शिकायत करने वह थाने पहुंचा था, अगर थाने में प्रधान आरक्षक ने फरियादी युवक के साथ बदतमीजी की होगी तो उसकी जांच करवाई जाएगी, अभी इस बात कि मुझे जानकारी नहीं है, थाना परिसर में हर जगह सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं मैं दिखाता हूं।

प्रतिबंधित प्लास्टिक को जब्त कर लगाया जुर्माना

शहडोल, देशबन्धु। नगर पालिका शहडोल के स्वच्छता विभाग द्वारा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के विक्रय और उपयोग को पूरी तरह से रोकने के लिए इन दिनों अभियान चलाया जा रहा है।

कलेक्टर केदार सिंह के निर्देशानुसार एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी अक्षत बुंदेला के मार्गदर्शन में प्रतिबंधित सिंगल यूज़ प्लास्टिक के विक्रय/उपयोग परिवहन/भंडारण को पूर्णत प्रतिबंधित करने के लिए निकाय द्वारा अभियान चलाया जाकर व्यावसायिक क्षेत्र में 10 दुकानदारों से लगभग 8.5 किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलिथीन जब्त की गई है। इसके साथ ही इन दुकानदारों पर 34 सौ रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है।

नगर पालिका के स्वच्छता प्रभारी मोतीलाल सिंह ने दुकानदारों को भविष्य में सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग, क्रय औरर विक्रय न करने की हिदायत भी दी। इस कार्यवाही में स्वच्छता प्रभारी मोतीलाल सिंह, स्वच्छता निरीक्षक अनिल महोबिया, भूपेश कोहरे, संतोष लखेरा और फायर टीम उपस्थित रही। मुख्य नगर पालिका अधिकारी अक्षत बुंदेला ने

दुकानदारों से अपील की है कि प्रतिबंधित सिंगल यूज़ प्लास्टिक एवं उससे निर्मित वस्तुओं का क्रय, विक्रय और भंडारण न करें। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री बुंदेला ने यह भी बताया कि प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त करने की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

सार-समाचार

पुलिस अधीक्षक ने किया पदभार ग्रहण

शहडोल, देशबन्धु। नवागत पुलिस अधीक्षक शहडोल रामजी श्रीवास्तव ने गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पदभार ग्रहण किया। विभागीय चार्ज लेने की प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिसअधीक्षक द्वारा अधीनस्थ पुलिसकर्मियों का परिचय लिया गया। पुलिस अधीक्षक श्री श्रीवास्तव ने जिले की भौगोलिक स्थिति, कानून व्यवस्था, थानों एवं पुलिस बल, अपराधों के स्वरूप, लंबित प्रकरणों आदि की जानकारी प्राप्त की एवं इनके संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सिविल सर्जन का तबादला हुआ रीवा, सीएमएचओ को मिला प्रभार

शहडोल,देशबन्धु। शहडोल के शासकीय कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. जी.एस. परिहार का अंततः जिला चिकित्सालय शहडोल से रीवा स्थानांतरण कर दिया गया है। इस संबंध में डॉ. राजू निदारिया, वरिष्ठ संयुक्त संचालक (विज्ञप्ति), संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं, मप्र भोपाल द्वारा आदेश जारी किया गया है। डॉ. परिहार के खिलाफ लंबे समय से कर्मचारियों द्वारा गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायतें की जा रही थीं। हाल ही में एक महिला डॉक्टर ने सिविल सर्जन की मुख्यमंत्री से शिकायत की थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर आरोप लगाया था कि डॉ. परिहार उन्हें प्रताड़ित कर रहे हैं। अपने प्रभाव के कारण डॉ. परिहार शिकायतों को दबाने में सफल रहे थे। उनके बढ़ते हौसले के चलते उन्होंने जिला चिकित्सालय परिसर में पत्रकारों के प्रवेश पर पाबंदी लगाने का आदेश जारी कर दिया था। इसके लिए उनके पदनाम के साथ पर्चे अस्पताल के प्रवेश द्वार पर लगाए गए थे, जिनमें लिखा गया था कि बिना सिविल सर्जन की अनुमति के किसी भी मीडियाकर्मी का प्रवेश प्रतिबंधित है। पत्रकारों के कवरेज और फोटोग्राफी पर भी रोक लगा दी गई थी। हालांकि पत्रकारों के आक्रोश के बाद यह पर्चे तुरंत हटा दिए गए थे। लेकिन इस घटना से पत्रकार नाराज थे। मजबूरी में पत्रकारों को जनजातीय गौरव दिवस के दौरान डॉ. परिहार का विरोध करना पड़ा। मुख्यमंत्री तक मामला पहुंचने पर उन्होंने इसे गंभीरता से लिया और कलेक्टर से रिपोर्ट मांगी। कलेक्टर, शहडोल द्वारा प्रमुख सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को प्रतिवेदन भेजा गया। संचालनालय द्वारा जांच के बाद पाया गया कि डॉ. परिहार अपने दायित्वों के निर्वहन में असफल रहे। परिणामस्वरूप उनका स्थानांतरण रीवा कर दिया गया और शहडोल का प्रभार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा को सौंपा गया है।

पर्यावरण शुद्धीकरण के लिए एक थैला एक थाली अभियान

बिरसिंहपुर पाली, देशबन्धु। प्रयाग राज में आयोजित होने वाले महा कुंभ मेला में पर्यावरण शुद्धीकरण के लिए एक थैला एक थाली का विशेष अभियान उमरिया जिले के बिरसिंहपुर पाली नगर और आसपास के क्षेत्रों में चलाया जा रहा है । अभियान को गति दे रहे हैं पर्यावरण संरक्षण नगर टोली बिरसिंहपुर पाली के प्रसिद्ध अधिवक्ता बी पी चतुर्वेदी, सुशांत सक्सेना और सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के व्यवस्थापक एवं जिला सचिव नंदलाल प्रजापति जी । विदित होवे कि प्रयाग राज में आगामी 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 के बीच महा कुम्भ में लगभग 40 करोड़ श्रद्धालुओं के भाग लेने की संभावना बताई जा रही है । विशाल आयोजन में श्रद्धालुओं के भोजन और सामान के लाने - ले जाने प्लास्टिक के पन्नियों और भोजन के लिए डिस्पोजल के उपयोग से पर्यावरण को भारी छति उठानी पड़ती है । इस पर्यावरणीय छति कों रोकने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है । बताया जाता है कि इस महाकुंभ में लगभग 40 हजार टन कचरा होने का अनुमान लगाया जाता है , जिससे प्रयाग राज पवित्र तीर्थ स्थल में कचरा से बचाव के लिए पर्यावरण संरक्षण अभियान चला कर कचरे से मुक्ति का अक्षुण्य प्रयास किया जा रहा है । इस अभियान को गति देने के लिए नगर टोली के सेवादारों ने नागरिकों से अपील करते हुए एक थैला एक थाली का सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया है । सेवा दारो ने बताया कि यह अभियान 30 नवंबर तक चलाया जाएगा और जो सहयोग प्राप्त होगा उसे प्रयाग राज तक पहुंचाया जायेगा । सेवादारों ने विशेष अनुरोध करते हुए कहा कि पर्यावरण शुद्धीकरण अभियान में आप सब लोग सहभागी बन कर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे ।

कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई जिला उपार्जन समिति की बैठक

पन्ना, देशबन्धु । कलेक्टर सुरेश कुमार की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला उपार्जन समिति की बैठक हुई। इस मौके पर उपस्थित संबंधित विभाग के अधिकारियों से आगामी धान एवं मोटा अनाज उपार्जन की तैयारियों एवं पंजीयन केन्द्र सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक चर्चा की गई।

कलेक्टर श्री कुमार ने बैठक में कहा कि फसल उपार्जन प्रारंभ होने के पूर्व केन्द्रों पर सभी आवश्यक व मूलभूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली जाएं। साथ ही लक्ष्य के विरूद्ध वारदाना उपलब्धता, उपार्जित स्कंध के भण्डारण सहित उपार्जन संबंधी अन्य विषयों पर जानकारी ली गई। खरीदी वाली सभी समितियों के तौल व वजन कांटों की जांच और सत्यापन सहित धर्मकांटों के प्रमाणीकरण के निर्देश दिए गए।

जिला कलेक्टर ने केन्द्रों पर कृषक सुविधाएं विकसित करने के लिए कहा। इसके अलावा फसल उपार्जन के लिए पंजीयन कराने वाले किसानों, रकवा व सत्यापन सहित गत वर्ष खरीदी केन्द्रों के माध्यम से उपार्जित स्कंध की मात्रा तथा इस वर्ष उपार्जित मात्रा के भण्डारण के लिए रिक्त गोदामों की उपलब्धता सहित प्रस्तावित अन्य पांच उपार्जन केन्द्रों पर के संबंध में भी चर्चा हुई।

शरीर शोधन की प्रक्रिया है रक्तदान, कोलेस्टाल होता है नियंत्रित

उमरिया , देशबन्धु। पाली थाना प्रभारी मदनलाल मरावी ने रक्तदाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि रक्तदान शरीर शोधन की प्रक्रिया है। इससे नया रक्त बनता है और शरीर में मौजूद कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याएं कम होती हैं।

रक्तदान कर जीवनदान के उद्देश्य को साकार करते हुए शासकीय महाविद्यालय बिरसिंहपुर पाली में रेड रिबन क्लब और युवा टीम उमरिया द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन ब्लड बैंक अधिकारी डॉ. मुकुल तिवारी और पाली महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आर.के. झा के मार्गदर्शन में किया गया। शिविर में कुल 6 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया।

पाली थाना प्रभारी मदनलाल मरावी ने रक्तदाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि रक्तदान शरीर शोधन की प्रक्रिया है। इससे नया रक्त बनता है और शरीर में मौजूद कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याएं कम होती हैं। पाली महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आर.के. झा ने कहा, रक्तदान महादान है। स्वस्थ लोगों को साल में एक बार रक्तदान जरूर करना चाहिए, जिससे बेहतर स्वास्थ्य बना रहता है। उन्होंने युवाओं से साल में कम से कम दो बार रक्तदान करने का आह्वान किया और बताया कि यह दिल की बीमारियों और स्ट्रोक के खतरे को कम करता है।

रक्तवीरों ने किया प्रेरित

रक्तवीर हिमांशु तिवारी ने कहा, रक्तदान एक महान कार्य है। रक्त की कुछ बूंदें किसी जरूरतमंद की जान बचा सकती हैं। युवाओं को इस पुनित कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। शिविर में रक्तदान करने वाले सभी रक्तवीरों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। शिविर में महिलाओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। उनकी सक्रिय भागीदारी ने समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अहम योगदान दिया।

यह रहे मौजूद

शिविर में पुलिस पाली थाना प्रभारी मदनलाल मरावी, पाली महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आर.के. झा, जिला चिकित्सालय के लैब टेक्नीशियन विनीत साहू, अफ़रोज़, राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. शाहिद सिद्दीकी, डॉ. मंसूर अली, डॉ. ऋतु सेन, अनुभव श्रीवास्तव, डॉ. त्रिभुवन गिरी, डॉ. नरेश शुक्ला सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। रक्तदान करने वालों में हिमांशु तिवारी, खुशी सेन, मुस्कान महोबिया, वर्षा बर्मन, खुशबू बर्मन, साक्षी रैदास, लक्ष्मी महोबिया, सावित्री सिंह, प्रीति सिंह, प्रतिभा चतुर्वेदी, आरती देवी, सोनम भार्या, नम्रता देवी, नेहा सिंह, वर्षा देवी, शीतल चौधरी समेत कई रक्तदाता शामिल थे।

नवीन भवन से स्थानाभाव की कमी होगी पूरी: मरावी

सरस्वती विद्यालय के नवीन भवन निर्माण कार्य का भूमिंपूजन

शहडोल, देशबन्धु। ट्रांसपोर्ट नगरी बुढ़ार के मध्य स्थित सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुढ़ार के नवीन भवन निर्माण कार्य का गत दिवस मंत्रोच्चार के साथ भूमिंपूजन किया गया।

भूमिंपूजन कार्यक्रम जैतपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जयसिंह मरावी के मुख्यातिथ्य,

श्रीराम जानकी मंदिर के महन्त श्रीराम बालक दास महाराज की गरिमामयी उपस्थिति, पूर्व विधायक व अध्यक्ष सरस्वती शिक्षा समिति छोटेलाल सरावगी

की अध्यक्षता तथा सरस्वती शिक्षा परिषद शहडोल विभाग के विभाग समन्वयक राम शिरोमणि शर्मा, बुढ़ार नगर परिषद की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी और व्यवस्थापक रवि कुमार रजक के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित हुआ।

पुरोहितों द्वारा विधि-विधान पूर्वक मंत्रोच्चार के सांथ निर्माणाधीन स्थल पर भूमिंपूजन मुख्यातिथ, अध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा करायी गई, वहीं विद्यालय की आचार्य दीदियों द्वारा वाणी वंदना प्रस्तुत की गई तथा अतिथियों का विद्यालय के प्राचार्य रामसजीवन पटेल, प्रधानाचार्य श्रीकांत चतुर्वेदी एवं अशोक गौतम द्वारा पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत वंदन किया गया।

मुख्य अतिथि जैतपुर के विधायक जयसिंह मरावी ने कहा कि सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुढार के नवीन भवन निर्माण कार्य की आवश्यकता थी और मुझे इस भवन के भूमिंपूजन कार्यक्रम में आने का स्वर्णिम अवसर अर्जित हुआ। विधायक श्री मरावी ने कहा कि निर्माण कार्य से निश्चित ही स्थानाभाव की कमीं पूर्ण होगी। इस अवसर पर विधायक श्री मरावी नें विद्यालय के भवन निर्माण कार्य हेतु विधायक निधि से 15 लाख रुपये प्रदत्त करनें की घोषणा की जिसका करतल ध्वनि से स्वागत किया गया।

पूर्व विधायक एवं सरस्वती विद्यालय शिक्षा समिति अध्यक्ष छोटेलाल सरावगी नें अपनें उद्बोधन में कहा कि पचास वर्ष पूर्व विद्यालय का यह भवन निर्मित हुआ था, किंतु उसमें कुछ कमियां रह गई थी जिसके कारण तथा स्थानाभाव एवं नवीन आधुनिक भवन की आवश्यक्ता को देखते हुये निर्माण कार्य कराया जा रहा है, और आनें वाले समय में यह विद्यालय सुंदर एवं आकार्षक स्वरूप अर्जित कर सकेगा।

11 हाथियों की मौत के बाद भी बच गए बड़े अधिकारी

उमरिया बांधवगढ, देशबन्धु। टाइगर रिजर्व में 11 हाथियों की मौत के मामले ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया था। घटना के बाद मध्य प्रदेश सरकार और केंद्र ने जांच टीम गठित की, जिसने मौके पर पहुंचकर विस्तृत जांच की। इसके बावजूद, चौंकाने वाली बात यह है कि पूरे प्रबंधन को दरकिनार कर केवल एक डॉक्टर पर कार्रवाई की गई।

घटना के बाद वन्य प्राणी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितिन गुप्ता को बांधवगढ़ से हटाकर महाराजा मार्तंड सिंह जूदेव व्हाइट टाइगर सफारी, मुकुंदपुर (सतना) भेजा गया है। उनकी जगह डॉ. राजेश तोमर को मुकुंदपुर से बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में स्थानांतरित किया गया है। इस फेरबदल का आदेश मध्य प्रदेश शासन के वन विभाग सचिव अतुल कुमार मिश्रा ने जारी किया।

प्रशासनिक कार्रवाई पर उठे सवाल

11 हाथियों की मौत जैसे गंभीर मामले में प्रबंधन पर कोई ठोस कार्रवाई न होने से विपक्ष ने सरकार को आड़े हाथों लिया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार ने अपनी जिम्मेदारी निभाने के बजाय केवल एक डॉक्टर का तबादला करके मामले को ठंडा करने की कोशिश की।

केंद्र और राज्य की जांच टीम भी आई

घटना की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार की जांच टीम ने भी क्षेत्र का दौरा किया। प्रदेश और क्षेत्रीय स्तर पर भी अधिकारियों ने जांच की, लेकिन किसी भी वरिष्ठ अधिकारी पर कार्रवाई नहीं हुई।

स्थानीय लोगों में रोष

स्थानीय लोग और वन्यजीव प्रेमी इस घटना से आक्रोशित हैं। उनका कहना है कि इतनी बड़ी घटना के बावजूद प्रबंधन और बड़े अधिकारियों को बचाया जा रहा है, जो भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को आमंत्रण देगा।

आगे की कार्रवाई की उम्मीद

घटना ने प्रदेश की वन्यजीव सुरक्षा और प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। क्या केवल एक डॉक्टर पर कार्रवाई से सुधार संभव है, या शासन को बड़े स्तर पर जवाबदेही तय करनी होगी? फिलहाल, लोगों की नजरें सरकार के अगले कदम पर टिकी हैं।

पुनरुत्पादन सर्वे का दिया प्रशिक्षण

शहडोल, देशबन्धु। वन विभाग द्वारा वृत स्तरीय पुनरूत्पादन सर्वे के संबंध प्रशिक्षण सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया।

वन परिक्षेत्र गोहपारू के बीट लफदा में आयोजित इस कार्यशाला का शुभारंभ वन संरक्षक वन वृत्त शहडोल अजय कुमार पाण्डेय एवं वनमण्डलाधिकारी उत्तर /दक्षिण शहडोल सुश्री श्रद्धा पन्द्रे और वनमण्डलाधिकारी अनूपपुर विपिन पटेल ने मॉ सरस्वती की फोटो पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन करके किया। कार्यशाला में वन संरक्षक वन वृत्त शहडोल अजय कुमार पाण्डेय ने पुनरूत्पादन सर्वे के संबंध में विस्तृत जानकारी दी और इसके बाद फील्ड में जाकर पूनरूत्पादन सर्वे कार्य का प्रदर्शन किया गया।

उक्त प्रशिक्षण सह-कार्यशाला में कुलदीप त्रिपाठी उपव नमण्डलाधिकारी उमरिया, समस्त वन परिक्षेत्राधिकारी वन वृत्त शहडोल, संबंधित समस्त सर्किल प्रभारी एवं बीटगार्ड उपस्थित रहे।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में जंगली हाथियों की सुरक्षा के लिए सेटेलाइट कॉलरिंग सफल

उमरिया, देशबन्धु। जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में जंगली हाथियों के संरक्षण के लिए सैटेलाइट कॉलरिंग तकनीक का प्रयोग सफल रहा है। मार्च 2024 में शहडोल के जयसिंहनगर वन क्षेत्र से रेस्क्यू किए गए एक जंगली हाथी को सैटेलाइट कॉलर लगाकर ताला वन परिक्षेत्र की दमना बीट में छोड़ा गया। इसके माध्यम से हाथी के मूवमेंट पर नजर रखी गई, जो संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह तकनीक जंगली हाथियों के मूवमेंट और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने में मदद करती है। इससे न केवल हाथियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी, बल्कि मानव-हाथी संघर्ष को कम करने में भी सहायता मिलेगी। अब सरकार इस तकनीक को प्रदेश के अन्य टाइगर रिजर्व और हाथी संरक्षण क्षेत्रों में भी लागू करने की योजना बना रही है।

इस प्रक्रिया के दौरान क्षेत्र संचालक डॉ. नितिन गुप्ता, सहायक संचालक ताला, और वन्यजीव विशेषज्ञों की टीम मौजूद रही। अधिकारियों ने बताया कि यह तकनीक हाथियों के प्राकृतिक वास के अध्ययन और संरक्षण की दिशा में एक अहम पहल है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में जंगली हाथियों की सैटेलाइट कॉलरिंग पहली बार की गई है, जो अन्य टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में इस तकनीक के उपयोग का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। इससे न केवल हाथियों की सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि उनके संरक्षण में नए आयाम जोड़े जाएंगे।